शिमला से प्रकाशित

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक समाचार

प्रकाशन का 47 वां वर्ष

ई – पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 47 अंक – 41 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पजींकरण एच. पी./93 /एस एम एल Valid upto 31-12-2023 सोमवार 03 – 10 अक्तूबर 2022 मूल्य पांच रूपए

क्या प्रदेश का फार्मा उद्योग राजनीतिक चदे का बड़ा स्त्रोत है इसलिए संबद्ध तंत्र की जांच नहीं हो पाती

- दवा नियंत्रक मरवाह के खिलाफ एम.सी. जैन की शिकायत से उठी चर्चा
- पांच सौ करोड़ की अवैध संपत्ति अर्जित करने के हैं आरोप
- 60 करोड़ सरकार तक पहुंचने का भी है जिक्र
- प्रधानमंत्री कार्यालय और ड्रग कंट्रोलर जनरल तक दे चुके हैं जांच के आदेश

शिमला/शैल। अफ्रीकी देश गाम्बिया में हुई 66 बच्चों की मौत ने सारे विश्व को हिला कर रख दिया है क्योंकि यह मौतें एक कफ सिरप के सेवन से हुई और यह दवा भारत में बनी पायी गयी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसका कड़ा संज्ञान लेते हुये इसमें जांच के आदेश दिये हैं। इस घटना से न केवल विदेश व्यापार प्रभावित हुआ है बल्कि देश की प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आदेशित जांच की आंच हिमाचल तक भी पहुंच चुकी है। इस परिदृश्य में प्रदेश के फार्मा उद्योग और उस को नियंत्रित करने वाले तन्त्र पर उठते सवाल गंभीर हो जाते हैं। प्रदेश में बनने वाली दवाओं के सैम्पल दर्जनों बार फेल हो चुके हैं। प्रदेश की विधानसभा के लगभग हर सत्र में इस आश्य के सवाल पूछे जाते रहे हैं और सरकार जवाब में फेल हुई दवाओं और उनकी निर्माता फार्मा कंपनियों के नामों की जानकारी सदन में रखती रही है। ऐसी कंपनियों को शो कॉज नोटिस दिये जाने की जानकारी भी सदन में रखी जाती रही है लेकिन इस पर किसी फार्मा उद्योग का लाइसैन्स रद्द कर दिया गया हो या ड्रग कंट्रोल तन्त्र में इसके लिए किसी को सजा दी गई हो ऐसी कोई जानकारी सदन में नहीं आयी है।

जबकि प्रदेश में बनी दवाओं के सेवन से लोगों की मौत होने तक की खबरें आती रही हैं। जम्मू कश्मीर में यहां की बनी दवा के सेवन से बच्चों की मृत्यु हो जाने पर मामला दर्ज किया गया था। लेकिन उसमें निर्माता कंपनी के खिलाफ क्या कारवाई हुई यह आज तक सामने नहीं आया है। लम्बे अरसे से प्रदेश के फॉर्मा उद्योग पर आरोप लगते आ रहे हैं । कॉल सिंह, जगत प्रकाश नड्डा, विपिन परमार और अब राजीव सैजल सभी स्वास्थ्य मंत्रियों के कार्यकाल में विभाग पर गंभीर आरोप लगते आये हैं। स्वस्थ्य निदेशकों की गिरफ्तारियां तक हुई। मंत्रियों से विभाग तक छीन लिये गये लेकिन किसी फार्मा उद्योग के खिलाफ कारवाई नहीं हो पायी। लेकिन पिछले दिनों जब इसी उद्योग से जुड़े एक डॉक्टर एम.सी.जैन ने प्रदेश के दवा नियंत्रक नवनीत मरवाह के खिलाफ बहुत ही गंभीर आरोपों का पुलिंदा देश के प्रधानमंत्री को भेजा तब इस उद्योग और इसके नियन्त्रक तन्त्र को लेकर कई सवाल खड़े हो गये। क्योंकि जैन को यह शिकायत प्रधानमंत्री को तब भेजनी पड़ी जब प्रदेश सरकार और उसके तन्त्र ने इस पर कोई कारवाई नहीं की।

जैन ने मरवाह पर 500 करोड़ की संपत्ति अवैध रूप से अर्जित करने के आरोप लगाये हैं। इन आरोपों की जांच तब के स्वास्थ्य मंत्री विपिन परमार और राज्य सरकार तक आती है। क्योंकि सरकार तक भी 60 करोड़ आने के आरोप हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय से यह आरोप मुख्यमंत्री कार्यालय में जांच करवाने के निर्देशों के साथ पहुंचे हुये हैं। ड्रग कंट्रोलर जनरल इस संबंध में प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव को भी पत्र भेज चुके हैं। लेकिन जयराम सरकार इन आरोपों पर अभी तक विजिलैन्स में मामला दर्ज करके इनकी जांच किये जाने के आदेश नहीं दे पायी है। जबकि जैन जांच में सहयोग करके इनको प्रमाणित करवाने का दावा कर रहा है। एक पत्रकार वार्ता में शिमला में उसने यह दावा किया है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि इन आरोपों की विधिवत जांच करवा कर अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचा जाये। यदि जांच में आरोप प्रमाणित न हों तो जैन के खिलाफ कारवाई की जाये। लेकिन बिना किसी जांच के

शेष पृष्ठ 8 पर.....

कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा बनने की होड़ में लगे नेता क्या अपने जिलों में स्थापित हो पायेंगे

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के चुनावी टिकटों के आवटन में सिद्धांत रूप से जब यह फैसला लिया था की सभी वर्तमान विधायकों पूर्व में रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और वर्तमान में प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को टिकट दिये जायेंगे तो उससे कांग्रेस की भाजपा और आप पर एक मनोवैज्ञानिक बढ़त बन गयी थी। लेकिन इस बढ़त पर उस समय ग्रहण लग गया जब विप्लव ठाकुर जैसी वरिष्ठ नेता का ब्यान आ गया कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है। इसी के साथ शिमला जिला से किसी ने पार्टी द्वारा करवाये गये सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता पर यह कहकर सवाल खड़े कर दिये कि सर्वेक्षण का यह काम किसी बड़े नेता ने अपने ही किसी खास रिश्तेदार को एक योजना के तहत दिया था। इन ब्यानों का किसी बड़े नेता ने खण्डन नहीं किया और इसके बाद पार्टी से कुछ लोग भाजपा में चले गये तथा टिकट आवंटन कमेटी में सुखविंदर सुक्खू और प्रतिभा सिंह में उभरे मतभेदों की खबरें तक छप गयी। इसी सब के कारण टिकट आवंटन अभी तक फाईनल नही हो पाया है। बल्कि कांग्रेस में उभरी इस स्थिति को भाजपा और आप पूरी तरह अपने पक्ष में भुना भी रहे हैं। ऐसे में यह आकलन करना स्वभाविक हो जाता है कि कांग्रेस ने ऐसी स्थिति क्यों उभरी है और इसका पार्टी की चुनावी सेहत पर क्या असर पड़ेगा। कांग्रेस प्रदेश में 2014, 2017 और 2019 में हुये चुनावों में बुरी तरह हार चुकी है। जबकि तब स्व.वीरभद्र और स्व.पंडित सुखराम जैसे बड़े नेता भी मौजूद थे। इसके बाद जब प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बदला तब कांग्रेस ने पहले दो नगर निगम और फिर 3 विधानसभा तथा एक लोकसभा का उप चुनाव जीता। क्या कांग्रेस की यह जीत प्रदेश नेतृत्व के कारण हुई या राष्ट्रीय स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से चलती रही राहुल गांधी की सक्रियता से। इस पक्ष पर शायद आज तक खुलकर विचार नहीं हुआ है। जबकि व्यवहारिक सच तो यह रहा है कि 2014 से लेकर मार्च 2020 में कोविड के कारण लगे लॉकडाउन तक केन्द्र सरकार के जो भी आर्थिक फैसले रहे हैं उन पर पूरे देश में पूरी स्पष्टता के साथ किसी भी दूसरे नेता ने बेबाक सवाल नहीं उठाये हैं। इन आर्थिक फैसलों का असर आज महंगाई और बेरोजगारी के रूप में हर घर तक पहुंच चुका है। इन्हीं फैसलों के कारण विकास दर का आकलन लगातार घटता जा रहा है। रूपया डॉलर की मुकाबले बुरी तरह लूढ़क चुका है। केन्द्र से लेकर राज्यों तक कर्ज इतना बढ़ चुका है कि रिजर्व बैंक तक श्रीलंका जैसे हालात हो जाने की आशंका व्यक्त कर चुका है। इस वस्तु स्थिति ने आम आदमी को पूरी

शेष पृष्ठ 8 पर.....

राज्यपाल ने ताबो में सेब दिवस में किसानों से किया संवाद

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने लाहौल-स्पीति जिला के ताबो स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में 'सेब दिवस एवं किसान मेले में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की तथा किसानों के साथ सीधा संवाद किया। इस अवसर

पर उन्होंने कहा कि यहां के किसानों ने परम्परागत कृषि पद्धति को अभी भी संरक्षित रखा है जो हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि कुल्लू दशहरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे प्रदेश में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी ली है। राज्यपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे इस दिशा में विशेष प्रयास करने को कहा ताकि हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक खेती में देश के अग्रणी राज्य के रूप में उभर सके। उन्होंने किसानों से इस दिशा में आगे आने और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करने का आहवान किया।

राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय जिलों में प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों के अनुभवों से अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को सरकार और प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित आदर्श खाद्य प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण भी किया। इस इकाई में सेब और अन्य स्थानीय फसलों के उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस इकाई के माध्यम से किसानों और स्वयं सहायता समूहों को काफी लाभ मिलेगा। इससे किसान बेहतर उत्पाद बनाने और इन्हें कम से कम समय में बाजार तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।

राज्यपाल ने केंद्र के परिसर का भी निरीक्षण किया और सेब की फसल की जानकारी हासिल की। उन्होंने 'पिति शिंगपा' पुस्तक का विमोचन भी किया।

इससे पहले डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश्वर चंदेल ने राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फसलों में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों का स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को ही अपनाने का आग्रह किया और कहा कि इससे पर्यावरण को भी बचाया जा सकता है।

इस अवसर पर क्षेत्र के किसानों ने राज्यपाल के साथ अपने अनुभव भी साझा किए। राज्यपाल ने कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया।

इस मौके पर उपमण्डलाधिकारी अभिषेक वर्मा और गुनजीत सिंह चीमा, पुलिस अधीक्षक रोहित मृगपुरी, विस्तार केन्द्र के निदेशक डॉ. इन्द्र देव, केन्द्र प्रमुख ताबो डॉ. सुधीर वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दशहरा उत्सव पर प्रदेशवासियों को बधाई दी

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने दशहरा उत्सव के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

राज्यपाल ने कहा कि दशहरा उत्सव बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने आशा जताई कि यह पर्व प्रदेश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दशहरा उत्सव के अवसर पर शुभकामनाएं दी और कामना की है कि यह उत्सव प्रदेश के लोगों के जीवन में शांति, प्रसन्नता एवं खुशहाली लाएगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व आशा, उत्साह और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश देता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को आत्मनिर्भर बनाएगी: राज्यपाल

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कारगर सिद्ध होगी।

राज्यपाल ने शिमला जिला के रामपुर बुशहर में गोविंद वल्लभ पंत मेमोरियल महाविद्यालय में हिमाचल प्रदेश राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 कार्यक्रम 'छात्र संवाद' के दौरान यह बात कही।

राज्यपाल ने कहा कि रामपुर का यह उनका पहला दौरा है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर इस कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए महाविद्यालय प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की प्रसन्नता स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि वे इस नीति को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने शिक्षकों से इस नीति का गहन अध्ययन करने तथा विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति देश की भावी पीढ़ी के लिए है, लेकिन शिक्षक इस नीति का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति बनाने की पहल पहली बार नहीं हुई है। इसके पहले भी प्रयास किए गए लेकिन पूर्व में किए गए प्रयास सफल नहीं हो पाये। उन्होंने कहा कि यह एनईपी पूरी तरह से शिक्षाविदों द्वारा तैयार की गई है, जो हमें हमारी मिट्टी से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि यह किसी अन्य भाषा का विरोध नहीं करती, लेकिन मातृभाषा में शिक्षा पर विशेष बल देती है, क्योंकि हमारे विचार, कार्य और व्यवहार में मातृभाषा में ही रचे-बसे होते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के सभी विकसित देशों ने अपनी-अपनी भाषाओं का प्रयोग करके ही सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त किया हैं।

उन्होंने कहा कि मैकाले की शिक्षा नीति ने सुनियोजित तरीके से हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि कि वर्ष 1850 में ब्रिटिश आयोग की रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो गया था कि हमारी शिक्षा प्रणाली बहुत उन्नत थी। उस समय देश के चार प्रेजीडेंसी में किए गए सर्वेक्षण में साक्षरता दर लगभग 90 प्रतिशत थी, जो आज़ादी के समय घटकर 34 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कहा कि आज हम जो शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उससे हम अपनी संस्कृति से नहीं जुड़ सके हैं। उन्होंने कहा कि एनईपी हमारी औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली को खत्म कर देगी।

उन्होंने कहा, 'हमारी शिक्षा व्यवस्था केवल जॉब सीकर यानी नौकरी की आशा रखने वाले युवा ही तैयार कर रही है, परन्तु हमें आज आत्मनिर्भर बनने और ऐसी शैक्षणिक व्यवस्था बनाने की आवश्यकता है, जो युवाओं को नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बना सके। इस दिशा में नई शिक्षा नीति बहुत प्रभावी सिद्ध होगी।'

राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष, प्रो. सुनील गुप्ता ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत छात्रें के मानसिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस नीति के अंतर्गत संस्कृति और नैतिक मूल्यों के बारे में विद्यार्थियों को अधिक जानकारी प्रदान की जाएगी। विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए भी इस नीति में प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें छठी कक्षा से सभी व्यावसायिक अध्ययनों के लिए प्रावधान किए गए हैं ताकि विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों को शोध कार्यों की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस नीति के क्रियान्वयन से भारत को आत्मनिर्भर बनाने का सपना साकार हो सकेगा।

जी.वी.पंत मैमोरियल राजकीय महाविद्यालय के प्रधानाचार्य पी.सी. नेगी ने इस अवसर पर राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह क लेज बेहतर उच्च शिक्षा, सम्पूर्ण चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज की गत एक वर्ष की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर एक संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया और विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

राज्यपाल ने वन्यजीव सप्ताह के समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि वन संपदा और वन्य जीवों के संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है और इस दिशा में हर व्यक्ति को अपना योगदान देने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन्य प्राणी प्रभाग द्वारा आयोजित 71वें वन्य प्राणी सप्ताह के समापन

समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने वन्य प्राणियों को गोद लेने की योजना के तहत जुजुराना को गोद लेकर समाज को सार्थक संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि मानव जीवन में वन्य प्राणियों का बहुत महत्व है। उन्होंने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज हम यह सोच रखते हैं कि प्रकृति हमारे इस्तेमाल के लिए ही है, लेकिन यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि सदियों से हमारी संस्कृति ने हमें प्रकृति के साथ आगे बढ़ना सिखाया है।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति सदैव लोक कल्याण की बात करती है, जिसमें वन्य प्राणी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आत्म केंद्रित होने के कारण आज मनुष्य स्वार्थी हो गया है। आज हम अपने पूर्वजों द्वारा दी गई शिक्षाओं को भूल रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारी संस्कृति हमें पौधों और वन्य जीवों की पूजा करना सिखाती है क्योंकि हमारी संस्कृति सह-जीवन के अस्तित्व में विश्वास करती है।

राज्यपाल ने वन्य जीवों को गोद लेने जैसी विभिन्न योजनाओं को लागू करने के लिए वन विभाग के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस योजना को पूरे राज्य में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने वन्य जीवों के प्रति जागरुकता लाने पर जोर देते हुए कहा कि इस अभियान से हर व्यक्ति को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश में जंगलों में आग लगने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम जो पौधे लगाते हैं, वे अगले साल भी दिखाई दें, तभी पौधारोपण अभियान सफल एवं सार्थक साबित होंगे। उन्होंने राज्य के हरित आवरण को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने वन्य प्राणी सप्ताह के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर विभिन्न वन्य प्राणियों को गोद लेने वाले एडवेंचर रिजॉर्ट के मालिक बलदेव ठाकुर, भूषण ठाकुर और स्वर्ण आभा ज्वैलर्स को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तीतर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया और राज्यपाल ने वन विभाग के कर्मियों से इसकी ऑनलाइन जानकारी ली। इस अवसर पर 10 पक्षियों को भी छोड़ा गया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर वन्य प्राणी स्मारिका-2022 और बर्ड रिंगिंग गाइड का विमोचन भी किया।

इससे पहले, प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) राजीव कुमार ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए सप्ताह भर आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) अनिल ठाकुर ने राज्यपाल का स्वागत किया और मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) थिरुमल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर वन्य प्राणी संरक्षण विषय पर लघु नाटक प्रस्तुत किया गया।

इससे पहले राज्यपाल ने वन विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन अरण्यपाल अजय श्रीवास्तव और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

शैल समाचार
संपादक मण्डल

संपादक- बलदेव शर्मा

सयुक्त संपादक:जे.पी.भारद्वाज

विधि सलाहकार: ऋचा

अन्य सहयोगी

राजेश ठाकुर

अंजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एम्स बिलासपुर देश को किया समर्पित

शिमला/शैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर जिले के कोठीपुरा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन किया। लगभग

247 एकड़ क्षेत्र में करीब 1471 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 750 बिस्तरों वाले इस संस्थान में प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक एवं सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सरकारी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला, बिलासपुर का उदघाटन भी किया। नालागढ़ में 350 करोड़ रुपये के मेडिकल डिवाइस पार्क और भारतमाला परियोजना के तहत 1692 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली पिंजौर-नालागढ़ फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का शिलान्यास भी किया।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को 'ग्रीन एम्स' के रूप में जाना जाएगा, क्योंकि इसका निर्माण ईको-फ्रेंडली शैली में किया गया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह संस्थान लोगों को अपने प्रदेश में ही सस्ती और अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध करवाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले आठ वर्षों के दौरान देश के सुदूर हिस्सों तक विकासात्मक परियोजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब बिलासपुर का एम्स हिमाचल को 'जीवन रक्षा' के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में विकसित करने में बड़ी भूमिका अदा करेगा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बल्क ड्रग्स पार्क की स्थापना के लिए चुने गए देश के तीन राज्यों में हिमाचल प्रदेश को भी शामिल किया गया है। इसी प्रकार मेडिकल डिवाइस पार्क के निर्माण के लिए चयनित चार राज्यों में भी हिमाचल प्रदेश को स्थान दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन बड़ी परियोजनाओं का श्रेय केंद्र सरकार के प्रति हिमाचल के लोगों की आस्था और समर्थन को जाता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पर्यटन एक ऐसा असीम संभावनाओं वाला क्षेत्र है, जिसे हिमाचल में बढ़ावा देने की आवश्यकता है, ताकि दुनिया भर से उपचार एवं स्वास्थ्य लाभ के लिए भारत आने वाले लोग सुंदर और स्वच्छ वातावरण वातावरण वाले हिमाचल प्रदेश का भी दौरा कर सकें।

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान और जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन में किए गए अच्छे कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लोगों को प्रदान किया गया सामाजिक सुरक्षा कवर भी प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश असीम अवसरों की भूमि है।

प्रधानमंत्री ने एम्स के अस्पताल ब्लॉक, सीटी स्कैन सेंटर, एमरजेंसी और ट्रॉमा एरिया का जायजा लिया। एम्स के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के समक्ष संस्थान के थ्रीडी मॉडल का प्रदर्शन भी किया।

प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा समारोह में भाग लिया

शिमला/शैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर

ने कुल्लू के ढालपुर मैदान में अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव की रथ यात्रा में भाग लिया।

इस अवसर पर ढालपुर मैदान में उमड़ी हजारों लोगों की भीड़ के बीच प्रधानमंत्री ने भगवान रघुनाथ को नमन किया। प्रधानमंत्री ने हाथ जोड़कर सभी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया तथा कुल्लू जिले के कोने-कोने से आये देवी-देवताओं की सुंदर पालकियों के साथ निकली भगवान रघुनाथ की भव्य रथ यात्रा के साक्षी बनें।

यह पहला अवसर था जब भारत के किसी प्रधानमंत्री ने कुल्लू के अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव में भाग लिया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह ठाकुर और सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस समारोह में शामिल हुए।

महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना समाज के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती:जय राम ठाकुर

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने चंबा में जिला भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना समाज के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण, विकास और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि धर्मशाला से प्रदेश की महिलाओं के लिए नारी को नमन कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसके अन्तर्गत महिला यात्रियों को हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में किराए में 50 प्रतिशत की रियायत प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को बस किराए में यह रियायत राजनीतिक कदम नहीं है, बल्कि नारी शक्ति को सुदृढ़ करने के हमारे संकल्प की दिशा में एक छोटा सा कदम है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री शगुन योजना, मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना, बेटी है अनमोल, महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता आदि योजनाएं आरम्भ की गई हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बीमार मरीजों के परिवारों के लिए सहारा योजना वरदान साबित हो रही है, क्योंकि ऐसे परिवारों को 3000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि किसी अन्य मुख्यमंत्री ने गरीब वर्ग के लोगों के लिए ऐसी योजनाएं शुरू करने के बारे में क्यों नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली भी उपलब्ध करवा रही है।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. हंसराज, मुख्य सचेतक एवं भटियात के विधायक विक्रम जरयाल, चंबा के विधायक पवन नैयर, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रश्मिधर सूद और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कुल्लू दशहरा उत्सव में भगवान रघुनाथ के शिविर में की पूजा-अर्चना

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर न कुल्लू के ढालपुर मैदान में अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव के उपलक्ष्य पर विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, बोर्डो-निगमों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने ढालपुर मैदान में भगवान रघुनाथ के अस्थायी शिविर में जाकर पूजा-अर्चना की और कुल्लू के पारंपरिक सामूहिक लोकनृत्य 'लालड़ी' में भी भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री एवं अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव की जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष गोविंद सिंह ठाकुर, विधायक किशोरी लाल और सुरेंद्र शौरी, पूर्व सांसद महेश्वर सिंह, एचपीएमसी के उपाध्यक्ष राम सिंह, एग्रो इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष युवराज बौद्ध, उपायुक्त आशुतोष गर्ग, पुलिस अधीक्षक गुरुदेव शर्मा और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

मेडिकल रिइंबर्समेंट के लिए 4 निजी आयुर्वेदिक चिकित्सालय सूचीबद्ध

शिमला/शैल। प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों की सुविधा के लिए चार अन्य निजी आयुर्वेदिक चिकित्सालयों को कुछ उपचार विधियों की मेडिकल रिइंबर्समेंट के लिए सूचीबद्ध किया है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस सूची में जगत अस्पताल एवं क्षारसूत्र केंद्र ऊना और गौतम अस्पताल एवं क्षारसूत्र केंद्र ऊना को क्षारसूत्र उपचार के लिए, रोशनी अस्पताल मैहरे, हमीरपुर को क्षारसूत्र व ऑर्थो संबंधी उपचार और ओजस हेल्थ केयर सेंटर जिला शिमला को पंचकर्मा की मेडिकल रिइंबर्समेंट के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

मण्डी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सामाजिक प्रभाव के आकलन की प्रक्रिया आरम्भ

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जिला मण्डी के नागचला में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित प्रक्रिया आरम्भ कर दी है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने उक्त परियोजना के लिए हिमाचल प्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार (सामाजिक समाघात निर्धारण एवं सहमति) नियम, 2015 के नियम 3 के अन्तर्गत 4 अक्तूबर को अधिसूचना जारी कर दी है। इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए 2868 बीघा से अधिक सरकारी एवं निजी भूमि का अधिग्रहण किया जाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित हवाई अड्डे के निर्माण से प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार होगा। इस हवाई अड्डे के निर्माण से जहां प्रदेश में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों का आवागमन होगा वहीं यह प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति क्षेत्र में पर्यटन विस्तार के लिए लाभदायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि चीन के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा व लेह-लद्दाख से नजदीकी के कारण यह हवाई अड्डा सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि सोशल इम्पेक्ट असेसमेन्ट (सामाजिक समाघात निर्धारण) की यह प्रक्रिया हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान, फेयरलॉन, शिमला के माध्यम से 6 माह के भीतर पूर्ण कर ली जाएगी। इस प्रक्रिया में प्रभावित परिवारों की आजीविका, सार्वजनिक और सामुदायिक परिसम्पतियों, औस्तियों तथा अवसंरचना विशेष तौर पर सड़कों, सार्वजनिक परिवहन, जल निकासी, स्वच्छता, पेयजल स्रोत, पशुओं के लिए जल स्रोत, सामुदायिक जलाशय, चरागाह, बागान, सार्वजनिक उपयोगिता जैसे डाकघर, उचित मूल्य की दुकानों, अन्य भण्डारण गोदामों, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं, शैक्षणिक या प्रशिक्षण सुविधाओं, आगंनबाड़ी, चिल्ड्रन पार्क, पूजा स्थलों, परम्परागत जनजातीय संस्थानों के भूमि और दाह संस्कार स्थल पर होने वाले सम्भावय समाघात का विचार करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण के साथ 25 अप्रैल 2022 को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया था। इसके तहत इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए एक साझा उद्यम समझौता के गठन की प्रक्रिया भी आरम्भ कर दी गई है जो कि जल्द ही पूरी कर दी जाएगी।

हवाई अड्डे के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम डब्ल्यूएपीसीओएस के माध्यम से प्रारूप डीपीआर तैयार कर दी गई है जिसे भारतीय विमान प्राधिकरण को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। प्राधिकरण ने इस हवाई अड्डे की साइट क्लीयरेंस जारी कर दी है।

पश्चिम बंगाल के 42 प्रशिक्षुओं ने प्राप्त की प्रदेश की वन प्रणाली की जानकारी

शिमला/शैल। वन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र हल्द्वानी, पश्चिम बंगाल के 33वें बैच के 42 प्रशिक्षु अपने उत्तर भारत के दौरे के दौरान शिमला पहुंचे। सेवानिवृत वन मण्डल अधिकारी राम गोपाल वर्मा के नेतृत्व में शिमला आये इन प्रशिक्षुओं ने प्रदेश वन विभाग के टॉलैण्ड, शिमला स्थित मुख्यालय के सभागार में प्रदेश के वन अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट की। हिमाचल प्रदेश के प्रधान मुख्य अरण्यपाल, वन अजय श्रीवास्तव ने इन प्रशिक्षुओं के साथ वनों के प्रबन्धन की जानकारी साझा की।

मुख्य अरण्यपाल, आई.टी. अभिलाश दामोदरन ने पश्चिम बंगाल के इन प्रशिक्षुओं को वन विभाग की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की। हिमाचल भ्रमण पर शिमला पहुंचे इन प्रशिक्षुओं में 12 महिला व 30 पुरूष प्रशिक्षार्थी शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश के अपने दौरे के दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों का भ्रमण किया और यहां की वनस्पति व वन्यजीवों की जानकारी हासिल की।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अरण्यपाल राकेश गुप्ता और वन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मै हिंदी के जरिये प्रांतीय भाषाओं को दबाना नहीं चाहता, किन्तु उनके साथ हिंदी को भी मिला देना चाहता हूं।
.....महात्मा गाँधी

सम्पादकीय

क्या नोटबंदी सही फैसला था?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 नवम्बर 2016 को देर शाम देश की जनता को नोटबंदी का फैसला सुनाया था। प्रधानमंत्री के देश के नाम इस आश्य के संबोधन के साथ ही 500 और 1000 रुपये के नोट चलन से बाहर हो गये थे। पुराने नोटों को नये नोटों से बदलने में कितना समय लगा? इसके लिये व्यवहारिक तौर पर कितनी परेशानी उठानी पड़ी थी यह सब ने भोगा है। नोटबंदी से कारोबार प्रभावित हुआ है यह भी हर आदमी जानता है। नोटबंदी के बाद रियल स्टेट और ऑटोमोबाईल क्षेत्रों को कितने पैकेज देने पड़े हैं यह भी सब जानते हैं। नोटबंदी क्या आवश्यक थी? नोटबंदी का देश की आर्थिकी पर क्या प्रभाव पड़ा है? नोटबंदी घोषित करते समय इसके जो उद्देश्य गिनाये गये थे क्या वह पूरे हुए हैं? नोटबंदी से कितना कालाधन खत्म हुआ है? क्या नोटबंदी से आतंकवाद की कमर सही में टूट गयी है? क्या नोटबंदी के बाद जाली नोट छपने बन्द हो गये हैं। क्या नोटबंदी मोदी सरकार का सामूहिक फैसला था या कुछ लोगों का फैसला था? यह ऐसे सवाल हैं जिन पर आज तक सार्वजनिक रूप से कोई चर्चा सामने नहीं आयी है? शीर्ष अदालत तक इस पर खामोश रही है। सत्ता पक्ष के लाल कृष्ण आडवाणी और डॉ.मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ नेता भी इस अहम मुद्दे पर खामोश रहे हैं। बल्कि नोटबंदी के बाद 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी के नाम पर जितना जन समर्थन भाजपा को मिला है उससे यही सन्देश गया है कि जनता ने मोदी की नीतियों पर अपने समर्थन की मुहर लगा दी है। बल्कि यह कहना ज्यादा सही होगा कि जनता नोटबंदी को आज एक काला अध्याय मानकर भूल भी चुकी है। लेकिन इस सब के साथ यह भी उतना ही कड़वा सच है कि नोटबंदी से जो आर्थिकी पटरी पर से उतरी है वह आज तक संभल नहीं पायी है। प्रधानमंत्री ने नोटबंदी से होने वाली तात्कालिक कठिनाइयां झेलने के लिये जो समय मांगा था वह देश की जनता ने उन्हें दिया लेकिन प्रधानमंत्री आज तक जनता को यह नहीं बता पाये हैं कि उनकी ही नजर में यह फैसला कितना सही था। किन आकलनों के आधार पर यह फैसला लिया गया था। नोटबंदी आज से छः वर्ष पहले लागू हुई थी और छः वर्ष का कालखण्ड इस फैसले का गुण दोष के आधार पर आकलन करने के लिये बहुत पर्याप्त समय हो जाता है। नोटबंदी मोदी कार्यकाल का सबसे बड़ा आर्थिक फैसला रहा है। इस फैसले को लेकर करीब पांच दर्जन याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय में आ चुकी हैं। इन याचिकाओं पर 12 अक्तूबर से शीर्ष अदालत की पांच जजों पर आधारित खण्डपीठ सुनवाई करने जा रही है। नोटबंदी पर जो भी फैसला आता है उसका असर बीत चुके समय पर तो कोई नहीं होगा। लेकिन इस फैसले का प्रभाव भविष्य में लिये जाने वाले फैसलों पर अवश्य पड़ेगा। इस समय महंगाई और बेरोजगारी पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ कर अपने चरम पर पहुंच चुकी है। इस पर नियन्त्रण लगाने की सारी संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। यह सब इस दौरान के लिये गये आर्थिक फैसलों का परिणाम है। आर्थिक फैसलों का गुण दोष के आधार पर कोई आकलन हो नहीं पाया है। क्योंकि हर फैसले के समानान्तर कुछ न कुछ धर्म एवं जाति पर आधारित घटता रहा है। आवाज उठाने वालों के खिलाफ जांच एजैन्सियों की सक्रियता बढ़ती चली गयी। विरोध के स्वरों को देशद्रोह के नाम पर दबाया जाता रहा है। लेकिन अब जब राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर निकले तो इस यात्रा ने संघ प्रमुख डॉ.मोहन भागवत को भी मस्जिद और मदरसे की चौखट पर पहुंचा दिया है। डॉ.भागवत भी यह ब्यान देने पर बाध्य हो गये कि राहुल गांधी को हल्के से न लिया जाये वह भविष्य का नेता है। इस परिदृश्य में जब नोटबंदी जैसे मुद्दे पर कोई बहस सुप्रीम कोर्ट की चौखट से निकालकर सड़क तक आयेगी तो निश्चित है कि और कई स्वरों को मुखर होने का माध्यम मिल जायेगा जिसके परिणाम महत्वपूर्ण होंगे।

पीएफआईःभारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा

गौतम चौधरी

आज से 35 वर्ष पहले हॉलीवुड की एक फिल्म आई थी। फिल्म का नाम था 'द अनटचेबल' और वर्ष 1987 में यह रिलीज हुई। इस फिल्म की कहानी और किरदार वर्षो बाद भारत में मानों जीवंत हो गया है। फिल्म की कहानी बेहद रोचक है। फिल्म में नायक, जो एक सरकारी अधिकारी होता है, वह एक टीम बनाता है, जिसे द अनटचेबल नाम दिया गया। वह टीम बेहद गुप्त तरीके से काम करता है और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए किसी हद तक चला जाता है। इस फिल्म में प्रयोग की गयी कार्यप्रणाली एक बार फिर चर्चा में है। हाल के दिनों में भारत में एक ऐसे क्षद्म आतंकवादी संगठन का पर्दाफाश हुआ है जो 'द अनटचेबल' नामक फिल्म में जो कार्यप्रणाली दिखाई गई उसे चरितार्थ करती दिखती है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पी.एफ.आई के शस्त्र प्रशिक्षण शिविरों का उद्भेदन उस फिल्म की कार्यप्रणाली का नकल प्रतीत होता है।

दरअसल, इस फिल्म में गुप्त रूप से गठित गैरकानूनी तरीके के संगठन के द्वारा फिल्म के नायक अपने दुश्मनों को ठिकाने लगाने में कारगर साबित होता है। जैसे ही लक्ष्य पूरा हो जाता है टीम खुद व खुद निरस्त हो जाता है। बता दें कि 'द अनटचेबल' नामक फिल्म का नायक समाज में नकारात्मकता को समाप्त करने और कमजोर वर्ग के लोगों को संबल प्रदान करता है और इसलिए वह संगठन बनाता है लेकिन पीएफआई इसके ठीक उलट, मारक दस्ते का गठन करता है और अपने विरोधियों को ठिकाने लगाने का काम करता है। यह किसी कीमत पर समाजोन्मुख व सकारात्मक नहीं है। न ही देश की अखंडता एवं एकता के लिए शुभ है।

पीएफआई के बारे में तसल्ली से अध्ययन के बाद पता चलता है कि इसके गठन से पहले अपने दुश्मनों के सफाए के लिए इस्लाम में विश्वास करने वालों ने एक मारक दस्ते का निर्माण किया था। उसका नाम नेशनल डोमेस्टिक फ्रंट रखा गया। इसे जिहादी शहादत के नाम से भी जाना जाता है, जिसका मतलब पवित्र लड़ाई का शहीद होता है। इन दस्तों में सदस्यों का चयन बेहद सावधानी से किया जाता था और उन्हें हथियार और विस्फोटक का प्रशिक्षण दिया जाता था। इन दस्तों का गठन 1990 के दौरान एन.डी.एफ को संरक्षित करने के लिए किया गया, जिसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कथित रूप से दुश्मन माना जाने लगा। उसी रणनीति के तहत यह संगठन हथियारों का प्रशिक्षण भी देने लगा। दस्ते के सदस्यों का चयन उनके संगठन के प्रति अत्याधिक वफादारी और उनके शारीरिक योग्यता के आधार पर ही किया जाता था। समूह में अन्य सदस्यों का चयन उनके आपराधिक इतिहास को देखकर किया जाता था। जिहादी शहादत की अवधारणा वाली चिट्ठी पी.एफ.आई के कार्यालयों से प्राप्त हुई है। एन.एस.जी कमांडो शेखर राठौड़, रामलिंगम एवं रूद्रेश कुमार की हत्या सभी पी.एफ.आई के मारक दस्ता द्वारा की गयी थी। इसका प्रमाण भी भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को प्राप्त हुआ है। उक्त तमाम हत्याओं में पीएफआई द्वारा द अनटचेबल फिल्म की तरह टीम का गठन किया गया और हत्या के बाद उसे निरस्त कर दिया गया। एक अधिकारी जो कि शेखर राढौड़ के हत्या के मामले की जॉच कर रहे थे, उन्होने हाल ही में बताया कि पीएफआई के द्वारा इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए एक कोर टीम का गठन किया गया था और उसके सहयोग के लिए कई सहायक टीम गठित की गयी थी। सभी टीमों को तसल्ली से प्रशिक्षित किया गया था। हत्या के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कोर दस्ते के सपोर्ट दस्ते द्वारा मदद पहुंचाई जाती थी। दोनों दस्तों के कॉर्डिनेशन के लिए बाकायदा समन्वय समिति का गठन किया गया था। इस काम के लिए स्थानीय कैडरों का भी उपयोग किया गया था। हत्या को अंजाम देने के लिए धारदार हथियार एवं बाइक का उपयोग किया गया था। क्योंकि इन्हें पतली गल्ली और संकरी सड़कों पर ले जाने में आसानी होती है और हत्या को अंजाम देने के बाद इसे आसानी से विघटित किया जा सकता था।

इतिहास गवाह है कि सैन्य युद्ध के मुकाबले क्षद्म युद्ध आसान और ज्यादा मारक होती है। यह आसान भी होता है। भारत, चीन और पाकिस्तान से अपनी सीमाओं की रक्षा करने में व्यस्त हैं। इधर पी.एफ.आई के कैडर भारत की आंतरिक सुरक्षा में सेंध लगा रहा रहे हैं। भारत के भाईचारे को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं और देश के एक खास समूह को देश के खिलाफ भड़का रहे हैं। यह भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। पीएफआई का असली चेहरा अब बेनकाब हो गया है। पटना में गैरकानूनी तरीके से हथियार प्रशिक्षण, देशभर में हत्या और आतंक फैलाने की कोशिश, महत्वपूर्ण लोगों की हत्या की साजिश, निर्दोष लोगों की हत्या यह साबित करता है कि पीएफआई माओवादी चरमपंथियों से भी ज्यादा खतरनाक हैं। आखिरकार भारत कभी भी ऐसे समूह का सहन नहीं कर सकता जो कि अपने भौगोलिक सीमाओं में माओवादी से भी खतरनाक हो।

बुजुर्ग और दिव्यांग हों या कोई बेसहारा, सरकार की पेंशन बनी सहारा

प्रदेश सरकार ने बढ़ाया सामाजिक सुरक्षा पेंशन का दायरा, वार्षिक बजट में चार गुणा तक वृद्धि

हिमाचल में लगभग सवा सात लोगों की पेंशन पर इस वर्ष खर्च हो रहे हैं 1300 करोड़

शिमला। उम्र के आखिरी पड़ाव में जीवन-यापन के लिए तरसते और किन्हीं कारणों से उपेक्षा का दंश झेलने वाले प्रदेश के लाखों वरिष्ठ नागरिक हों या जीवन में हर पल संघर्षरत दिव्यांगजन, या फिर किन्हीं कारणों से विपरीत परिस्थितियों से जूझ रहीं बेसहारा एवं एकल नारियां अथवा अन्य असहाय लोग। ये सभी जरुरतमंद लोग विशेषकर, वरिष्ठ नागरिक भी अब न केवल सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी अपने आपको स्वावलंबी महसूस कर सकते हैं। यह संभव हुआ है मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की एक मानवीय एवं दूरदर्शी सोच के कारण।

लगभग पांच वर्ष पूर्व 27 दिसंबर 2017 को प्रदेश की बागडोर संभालते ही मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने वरिष्ठ नागरिकों का दर्द समझते हुए अपने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में एक ऐसा निर्णय लिया जो प्रदेश के उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए बहुत बड़ी राहत लेकर आया, जिनके पास जिंदगी की सांझ में न तो जीवन-यापन का कोई सहारा था और न ही परिजन भी उनकी सही देखभाल कर रहे थे।

साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि, गरीबी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए प्रदेश की सत्ता के शीर्ष पर पहुंचे जय राम ठाकुर ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में सामाजिक सुरक्षा पेंशन का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया और 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन प्रदान करने के लिए आय सीमा की शर्त हटा दी। पहले केवल 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो के लिए ही इसका प्रावधान था। यही नहीं, अब जयराम सरकार ने 60 वर्ष से ऊपर की आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भी आय सीमा की शर्त के बगैर ही पेंशन देने का निर्णय लिया है। अब प्रदेश के लाखों वरिष्ठ नागरिक 1000 से लेकर 1700 रुपये तक मासिक पेंशन ले रहे हैं और वे उम्र के आखिरी पड़ाव में सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन का दायरा बढ़ाने के अलावा प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों, बेसहारा एवं एकल महिलाओं, कुष्ठ रोगियों और अन्य असहाय लोगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन में भी वृद्धि करके बहुत बड़ी राहत प्रदान की है। यही कारण है कि वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के वार्षिक बजट में लगभग चार गुणा तक वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान सरकार ने 70 वर्ष या इससे अधिक आयु के बुजुर्गो की पेंशन 700 से बढ़ाकर 1700 रुपये की। इसी तरह 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों की पेंशन भी 1250 रुपये से बढ़ाकर 1700 रुपये कर दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत इस वित्त वर्ष में करीब सवा सात लाख पात्र लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है, जिन पर 1300 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। इस समय में प्रदेश में पांच लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक, लगभग 68 हजार दिव्यांगजन, करीब 1.30 लाख विधवा, निराश्रित और एकल महिलाएं, 1482 कुष्ठ रोग पीड़ित और 150 ट्रांसजेंडर सामाजिक सुरक्षा पेंशन ले रहे हैं। वर्ष 2018 के उपरान्त ही प्रदेश में पेंशन के तीन लाख से अधिक नए मामले मंजूर किए गए हैं। केवल साढे चार वर्षों में ही इतनी बड़ी संख्या में लोगों को पेंशन के दायरे में लाना प्रदेश सरकार की जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पोषण अभियान:जन आंदोलन के माध्यम से व्यवहार में परिवर्तन

डॉ.मुंजपारा महेंद्र भाई
माननीय महिला एवं बाल विकास एवं आयुष राज्य मंत्री

माननीय प्रधानमंत्री के सुपोषित भारत आहवान के अनुरूप प्रधानमंत्री समग्र पोषण योजना या पोषण अभियान-जो बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है- में पोषण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जमीनी स्तर पर समुदायों को गलत सूचना या बिना जानकारी वाली प्रथाओं, जो पीढ़ियों से निरंतर कुपोषण के कारण रही हैं, से मुकाबला करने के लिए एकजुट करना है।

व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए कार्यक्रम के कुछ उपायों में शामिल हैं- समुदाय आधारित कार्यक्रमों का आयोजन (सीबीई)(सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) तथा व्यापक सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने के माध्यम से आग्रह करना तथा इसे जन आंदोलन का रूप देना।

पोषण अभियान के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मिशन पोषण 2.0 (सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0) की घोषणा 2021-2022 के बजट में एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम के रूप में की गई थी, ताकि पोषण सामग्री, उपलब्धता, पहुंच और परिणामों को बेहतर करने के लिए स्वास्थ्य, कल्याण तथा रोग व कुपोषण से प्रतिरक्षा को समर्थन देने वाले उभरते तरीकों पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

यह कार्यक्रम जन आंदोलन के निर्माण के लिए सामाजिक और व्यवहार संबंधी परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) को अपने रणनीतिक स्तंभों में से एक के रूप में मानता है। पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के उद्देश्य से यह अभियान, जागरूकता अभियान चलाने और गतिविधियों का संचालन करने पर केंद्रित है और इसका उद्देश्य कुपोषण की चुनौती का मिशन-मोड में समाधान करना है।

सामुदायिक एकजुटता सुनिश्चित करने और लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, अभियान ने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये व्यवहार में परिवर्तन पर जोर देने के लिए पूरे साल निरंतर प्रयास किए हैं। इन अभियानों ने कई प्लेटफार्मों का लाभ उठाते हुए पोषण संबंधी विभिन्न संदेश प्रसारित किए हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रमों के साथ-साथ, इन गहन अभियानों में शामिल हैं, पोषण माह और पोषण पखवाड़ा का वार्षिक आयोजन, जिनका उद्देश्य माताओं और समुदायों को स्वस्थ पोषण व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अभियान के तहत, प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा सप्ताह के एक निश्चित दिन, महीने में दो बार, समुदाय आधारित कार्यक्रम (सीबीई) आयोजित किए जा रहे हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रमों में (अन्नप्राशन दिवस, सुपोषण दिवस (विशेष रूप से पुरुषों को जागरूक करने पर केंद्रित), बच्चों के बड़े होने की खुशी मनाने, आंगनबाड़ी केंद्र में स्कूल-से-पहले की तैयारी, पोषण में सुधार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संदेश, हाथ धोने और स्वच्छता का महत्व, रक्त की कमी (एनीमिया) की रोकथाम, पौष्टिक भोजन का महत्व, आहार विविधता आदि शामिल हैं। अभियान के शुभारंभ के बाद से देश भर के आंगनबाड़ी केंद्रों में 3.70 करोड़ से अधिक सीबीई आयोजित किए जा चुके हैं।

पोषण पर ध्यान केंद्रित करने एवं अच्छे पोषण तरीकों और व्यवहारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, पोषण अभियान के जन आंदोलन घटक के तहत दो प्रमुख आउटरीच तथा सामाजिक और व्यवहार में परिवर्तन अभियान चलाए जाते हैं। अभियान के शुभारंभ के बाद से, चार 'राष्ट्रीय पोषण माह' - सितंबर में आयोजित होने वाला एक महीने का अभियान और चार 'पोषण पखवाड़ा' - मार्च में आयोजित होने वाला एक पखवाड़े का अभियान(व्यापक पहुंच और बेहतर परिणामों के साथ आयोजित किए गए हैं। प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल हैं- पोषण मेला, प्रभातफेरी, स्कूलों में पोषण पर सत्र, स्वयं सहायता समूह की बैठकें, एनीमिया शिविर, बच्चों की वृद्धि की निगरानी, आशा/आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा घर का दौरा, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी), आदि।

अब तक आयोजित किए गए पोषण माह और पोषण पखवाड़ा कार्यक्रमों में सम्बन्धित मंत्रालयों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और क्षेत्र पदाधिकारियों की उत्साह के साथ व्यापक भागीदारी देखी गयी है। अग्रिम मोर्चे के कार्यकर्ताओं, सामुदायिक समूहों, पीआरआई, ब्लॉक और जिला स्तर के कर्मचारियों, राज्य सरकार के विभागों व मंत्रालयों ने पोषण अभियान को जन आंदोलन बनाने की दिशा में कड़ी मेहनत करने का उदाहरण पेश किया है। चौथे राष्ट्रीय पोषण माह 2021 में 20.32 करोड़ गतिविधियां देखी गई, जबकि 21 मार्च-4 अप्रैल, 2022 में आयोजित पोषण पखवाड़े के दौरान जन आंदोलन से जुड़ी 2.96 करोड़ गतिविधियां आयोजित की गई।

मासिक सत्रों के माध्यम से पोषण अभियान के लाभार्थियों को पोषण के अलावा, अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रथाओं के बारे में जागरूकता प्रदान की जाती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस (वीएचएनडी) की परिकल्पना की गई थी। इसे 2007 से पूरे देश में एक सामुदायिक मंच के रूप में लागू किया जा रहा है, जो समुदाय और स्वास्थ्य प्रणालियों को आपस में जोड़ता है और एक-दूसरे से जुड़े कार्यों को सुविधाजनक बनाता है। यह स्वास्थ्य, प्रारंभिक बाल विकास और पोषण व स्वच्छता सेवाओं को घर पर उपलब्ध कराने तथा बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समुदाय में आहार विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करने और कुपोषित बच्चों को विभिन्न खाद्य समूह उपलब्ध कराने के लिए पोषण वाटिका या पोषण उद्यान विकसित किए गए हैं, ताकि समुदाय द्वारा उपयोग किये जाने के लिए स्थानीय व मौसमी उपज के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा सके। पोषण वाटिका का मुख्य उद्देश्य जैविक रूप से उगाई गई सब्जियों और फलों के माध्यम से पोषण की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उल्लेखनीय है कि आयुष के समर्थन से पौधरोपण अभियान के तहत 21 जिलों में 1.10 लाख औषधीय पौधे लगाये गए। इसके अतिरिक्त, 4.37 लाख आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए अपने स्वयं के पोषण वाटिका की व्यवस्था की गयी है।

जन आंदोलन को जनभागीदारी में बदलने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पोषण माह का पांचवां संस्करण अभी चल रहा है। यह पोषण पंचायतों के रूप में कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों के माध्यम से संदेश का प्रसार करके कुपोषण की चुनौती का समाधान करने का प्रयास करता है। पोषण पंचायतों में विशेष ध्यान 'महिला और स्वास्थ्य' एवं 'बच्चा और शिक्षा' पर है। राष्ट्रीय पोषण माह(पोषण और अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में कार्य करता है और सामंजस्यपूर्ण तरीके से पोषण अभियान के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहता है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5), (2019-21) की हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 4 (एनएफएचएस -4), (2015-16) की तुलना में विभिन्न पोषण संकेतकों में सुधार किया है। एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों में बौनापन 38.4 प्रतिशत से घटकर 35.5 प्रतिशत(वेस्टिंग 21.0 प्रतिशत से घटकर 19.3 प्रतिशत और कम वजन की मौजूदगी 35.8 प्रतिशत से घटकर 32.1 प्रतिशत हो गयी है। इसके अलावा, (15-49 वर्ष) आयु वर्ग की महिलाओं का प्रतिशत, जिनका लम्बाई-वजन अनुपात (बॉडी मास इंडेक्स) सामान्य से कम है, एनएफएचएस-4 के 22.9 प्रतिशत से घटकर एनएफएचएस-5 में 18.7 प्रतिशत रह गया है।

एक नेक और समग्र लक्ष्य के साथ शुरू किए गए पोषण अभियान का उद्देश्य व्यवहार में बदलाव लाना और छोटे बच्चों, किशोर लड़कियों, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं व पति, पिता, सास और समुदाय के सदस्यों, स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं (एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) सहित परिवार के सदस्यों के बीच पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना है। यह जागरूकता, समुदाय स्तर के प्रयास और सामुदायिक भागीदारी पर विशेष ध्यान देने के साथ महत्वपूर्ण पोषण व्यवहार पर आधारित होनी चाहिए। लोगों में सकारात्मक स्वास्थ्य व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार परिवर्तन केन्द्रित संचार एक शक्तिशाली उपाय है। पोषण अभियान की सफलता, पोषण के एजेंडे को सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में लाने की उपलब्धि में निहित है।

डबल इंजन सरकार के प्रोत्साहन से हर खेत को पानी की दिशा में ठोस एवं प्रभावी कदम उठा रहा हिमाचल प्रदेश

शिमला। सर्व संकल्प से शत-प्रतिशत सिद्धी के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही केंद्र एवं हिमाचल प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने कृषि क्षेत्र में संचालित क्रांतिकारी योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए इनका त्वरित व समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के कुशल नेतृत्व में वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र की बेहतरी और कृषकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं एवं कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र के लिए चालू वित्त वर्ष में 628.52 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

राज्य का लगभग 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्र वर्षा सिंचित है। प्रदेश में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने प्रवाह सिंचाई योजना, सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से कुशल सिंचाई योजना, जल से षि को बल योजना, उठाऊ सिंचाई योजना का निर्माण एवं बोरवेल आदि योजनाएं कार्यान्वित की हैं।

प्रदेश सरकार ने सृजित सिंचाई क्षमता व उपयोग की जाने वाली सिंचाई क्षमता के बीच के अंतर को कम करने के लिए राज्य क्षेत्र के तहत हिमकैड (HIMCAD) नाम से एक नई योजना शुरू की है। इससे बेहतर जल संरक्षण, फसलों के विविधकरण और एकीकृत खेती के लिए किसानों के खेतों के अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। योजना के तहत 128.40 करोड़ रुपए व्यय कर मार्च, 2020 तक 274 पूर्ण लघु सिंचाई योजनाओं के 15242 हेक्टेयर क्षेत्र को कमांड क्षेत्र विकास (CAD) गतिविधियों के अंतर्गत लाया जा चुका है।

योजना के तहत मार्च, 2024 तक 23,344 हैक्टेयर कृषि योग्य कमान क्षेत्र (सीसीए) को कमांड क्षेत्र विकास गतिविधियां प्रदान करने के लिए राज्य तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा 379 पूर्ण लघु सिंचाई योजनाओं के 305.70 करोड़ रुपए के सेल्फ को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन योजनाओं का विकास कार्य विभिन्न चरणों में है।

जल शक्ति विभाग की राज्य तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के लिए 9300.52 हेक्टेयर कृषि योग्य कमान क्षेत्र में कमांड क्षेत्र विकास गतिविधियों के लिए 134.38 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के 168 योजनाओं के एक नए सेल्फ को मंजूरी प्रदान की गई है। इन 168 योजनाओं में से वर्ष 2022-23 के लिए 70 योजनाओं के 46.59 करोड़ रुपए अनुमानित लागत के पहले सेल्फ को प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है जिससे 3487.30 हेक्टेयर भूमि में कमांड क्षेत्र विकास गतिविधियों को गति प्रदान की जा सकेगी।

इसके अतिरिक्त केंद्र प्रायोजित योजनाओं का लाभ भी हिमाचल के कृषकों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को पानी के संकल्प के साथ हिमाचल प्रदेश को 338.1846 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत की 111 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए भारत सरकार से अब तक 291.62 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता प्राप्त हो चुकी है। इन योजनाओं के माध्यम से 17,880.86 हेक्टेयर भूमि को कृषि सुविधा प्रदान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त 14 लघु सिंचाई योजनाओं के 378.99 करोड़ रुपए के एक सेल्फ को केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान की है जिससे 9665.18 हेक्टेयर भूमि को सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए मार्च, 2022 में 17.05 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की गई है। केंद्र सरकार ने अन्य लघु सिंचाई योजनाएं सेल्फ के लिए 74.81 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की है और इनका विकास कार्य विभिन्न चरणों में है जिससे लगभग 3534.09 हेक्टेयर भूमि को कृषि सुविधा प्रदान की जाएगी। राज्य में 11867.07 हेक्टेयर भूमि को कृषि सुविधा प्रदान करने के लिए 329.74 करोड़ रुपए की 36 लघु योजनाओं का एक सेल्फ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के हर खेत को पानी घटक हेतु वित्त पोषण के लिए अनुमोदित किया गया है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र स्तर पर सिंचाई में निवेश का अभिसरण प्राप्त करना, सुनिश्चित सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार करना, पानी की बर्बादी को कम करने के लिए खेत में जल उपयोग दक्षता में सुधार करना, सटीक-सिंचाई और अन्य जल बचत प्रौद्योगिकियों (प्रति बूंद अधिक फसल) को अपनाना है। जलभृतों के पुनर्भरण को बढ़ाना और शहर से सटे क्षेत्रों में कृषि के लिए उपचारित नगरपालिका अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग की व्यवहार्यता की खोज करके स्थायी जल संरक्षण प्रथाओं को पेश करना और सटीक सिंचाई प्रणाली में अधिक से अधिक निजी निवेश को आकर्षित करना की परिकल्पना भी इसमें की गई है।

राज्य में 9.44 लाख हेक्टेयर भूमि पर काश्त होती है। प्रदेश सरकार किसान परिवारों को विभिन्न विकास कार्यक्रमों तथा आधुनिक तकनीक के लाभ पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है। भूमि और जल जैसे प्राकृतिक संसाधनों का इस प्रकार दोहन किया जा रहा है ताकि पर्यावरण संरक्षण को अपनाकर कृषकों का आर्थिक उत्थान सुनिश्चित बनाया जा सके।

कुल्लू के कोटासेरी में नया पशु औषधालय खोलने की स्वीकृति

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित की गई। मंत्रिमण्डल ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए शीर्ष संस्थान के रूप में कार्य करने, स्पेशियलिटी एवं सुपर स्पेशियलिटी स्तर की चिकित्सा सेवाओं में नोडल संस्थान के रूप में कार्य करने और चिकित्सकों, नर्सों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करने तथा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित करने और चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन के प्रारूप को मंजूरी प्रदान की।

बैठक में कांगड़ा जिला के राजकीय उच्च विद्यालय खोली, ठाकुरद्वारा और बांदल और कुल्लू जिला के राजकीय उच्च विद्यालय चौंग और शाट को राजकीय वरिष्ठ वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और कुल्लू जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला तांदी, पाशी, टिंडर और माशना, कांगड़ा जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला धमेड़ तथा मण्डी जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला देवीदड़ को राजकीय उच्च पाठशालाओं में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया। बैठक में मंडी जिला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला ओखली, टिक्की और भरेचीनाल को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्तरोन्नत करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमण्डल ने कांगड़ा जिला की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बीरता और बौहड़ क्वालू में विज्ञान और वाणिज्य की कक्षाएं शुरू करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में कुल्लू जिला की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला शियाह में वाणिज्य एवं गणित की कक्षाएं आरंभ करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को भी स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने मण्डी जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भाटकीधार में विज्ञान की कक्षाएं आरंभ करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया।

बैठक में कुल्लू जिला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला घोड़ीगाड़ को राजकीय माध्यमिक पाठशाला और राजकीय माध्यमिक पाठशाला नलहाच को राजकीय उच्च पाठशाला में स्तरोन्नत कर आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में मण्डी जिला के शिक्षा खण्ड बगस्याड़ के अन्तर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला बस्सी को राजकीय केन्द्रीय प्राथमिक पाठशाला में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमण्डल ने क्षेत्र के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए मण्डी जिला में राजकीय प्राथमिक पाठशाला मंगन को पुन: शुरू करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में मण्डी जिला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला शिल्लीबागी एवं दारन को राजकीय माध्यमिक पाठशाला में स्तरोन्नत करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने क्षेत्र के किसानों की सुविधा के लिए कुल्लू जिला के कोटासेरी में नया पशु औषधालय खोलने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में जिला शिमला के कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र में स्थित पशु औषधालय डूमी को पशु चिकित्सा अस्पताल में स्तरोन्नत करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मण्डी जिले के बालीचौकी में नया पुलिस थाना खोलने तथा इसके सुचारू संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के 34 पदों के सृजन एवं भरने का निर्णय लिया गया।

बैठक में कांगड़ा जिला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लप्याना में चिकित्सा अधिकारी का एक अतिरिक्त पद सृजित करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमण्डल ने चंबा जिला के बाथरी में नया विकास खण्ड कार्यालय खोलने तथा विभिन्न श्रेणियों के 7 पदों को सृजित कर भरने की स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मानदंडों के अनुसार राज्य में स्नातक स्तर के तकनीकी संस्थानों में कार्यरत मौजूदा नियमित शिक्षण संकाय (टीचिंग फैकल्टी) और पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए वेतन संरचना में संशोधन को मंजूरी प्रदान की। यह संशोधित वेतनमान संभावित तिथि से दिया जायेगा तथा दिनांक 01.01.2016 से आज तक के बकाया का भुगतान राज्य सरकार के आदेशानुसार किया जायेगा।

मंत्रिमण्डल ने शिमला के निकट ढली में बस अड्डे के प्रस्तावित भवन की छत की ढलान में 3.25 मीटर तक की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया।

मंत्रिमण्डल ने सिरमौर जिला में छात्रों की सुविधा के लिए राजकीय स्नातक महाविद्यालय नारग को पुन: आरंभ करने को मंजूरी प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने शिमला जिला के चौपाल विधानसभा क्षेत्र के देहा में नया औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खोलने तथा इसके सुचारू संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के 26 पदों को सृजित कर भरने को मंजूरी प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने मण्डी जिला के पांगणा में राजकीय स्नातक महाविद्यालय खोलने तथा विभिन्न श्रेणियों के आवश्यक पदों को सृजित कर भरने के अतिरिक्त इस महाविद्यालय की अधोसंरचना विकसित करने के लिए 5 करोड़ रुपये के प्रावधान को भी स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने वन विभाग में अधीक्षक ग्रेड-1 के 3 पदों को सृजित करने और अधीक्षक ग्रेड-2 के 7 पदों को अधीक्षक ग्रेड-1 में स्तरोन्नत करने के लिए स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में मण्डी जिला की करसोग तहसील के अन्तर्गत मथाल, सनारली, मनोला, कंडी-3, भनेरा, नवीधार तथा कुठेड़ में सात नए पटवार वृत्त बनाने के साथ ही आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक में मंडी जिला के कोटला-खुनला, खारसी और झरड़ में 3 नए पटवार वृत्त बनाने के साथ आवश्यक पदों के सृजन और भरने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमण्डल ने कुल्लू जिला के नग्गर में नई तहसील खोलने तथा विभिन्न श्रेणियों के 15 पदों के सृजन एवं भरने को स्वीकृत प्रदान की।

बैठक में कुल्लू जिला की उप-तहसील निथर के अंतर्गत गाठू में नया पटवार वृत बनाने के साथ ही आवश्यक पदों को सृजित कर भरने की स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में कुल्लू जिला की कुल्लू तहसील के अंतर्गत नया पटवार वृत कराड़सू बनाने के साथ ही आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को मंजूरी प्रदान की गई।

मंत्रिमण्डल ने मण्डी जिला की करसोग तहसील के अंतर्गत अशला में नई उप-तहसील खोलने के साथ ही विभिन्न श्रेणियों के 12 पद सृजित कर भरने का निर्णय लिया।

बैठक में मण्डी जिला की चच्योट तहसील में कानूनगो वृत मजोठी बनाने के साथ आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया गया।

बैठक में गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में कंपनी कमांडर के चार पदों को अनुबंध आधार पर सीधी भर्ती के माध्यम से भरने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमण्डल ने विवेकानंद मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट पालमपुर को बीएससी नर्सिंग की 40 सीटों के लिए एनओसी प्रदान करने का भी निर्णय लिया।

मंत्रिमण्डल ने जिला शिमला की राजकीय उच्च पाठशाला खगना, जोर्ना और अन्नाडेल को राजकीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तथा मण्डी जिला की उच्च पाठशाला गहंग, पपलोटू, गरलोग, रियागड़ी, सियून, बबली और छन्यारा को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया। शिमला जिला की माध्यमिक पाठशाला अंतरवली को राजकीय उच्च पाठशाला और मंडी जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला सरही, भनेरा, खील, पंजैन, फुटाखल, दुगराई, देवीदड़, ढाबन, पुराना बाजार करसोग, मेहरान, खरकन, अनाह और सुमनीधार को उच्च पाठशाला में स्तरोन्नत करने के साथ ही विभिन्न श्रेणियों के 164 पद सृजित कर भरने को स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने मण्डी जिला की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मलोह का नाम बदलकर शहीद दीनानाथ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मलोह करने का निर्णय लिया।

मंत्रिमण्डल ने कुल्लू जिला के मनाली विधानसभा क्षेत्र में जल शक्ति मंडल कटराई के अन्तर्गत नग्गर में नया जल शक्ति उप-मंडल खोलने को मंजूरी प्रदान की।

बैठक में सिरमौर जिला के राजकीय हाई स्कूल डिब्बर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और राजकीय माध्यमिक पाठशाला ल्यू कुफर और धनेश्वर को राजकीय उच्च पाठशाला में स्तरोन्नत करने के साथ ही विभिन्न श्रेणियों के 26 पदों के सृजन एवं भरने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमण्डल ने पीटीए नीति बंद होने के पश्चात 3 जनवरी, 2018 के बाद ग्रांट इन एड आधार पर रखे गए या दोबारा रखे गए तथा 2006 आरएंडपी नियमों के अनुसार योग्यता पूर्ण करने वाले 40 पीटीए अध्यापकों की सेवाओं को संभावित तिथि से बहाल करने का निर्णय लिया।

मंत्रिमण्डल ने प्रदेश की 29 नगर परिषदों में लेखाकारों के 29 पदों के सृजन और भरने और 9 नगर परिषदों रामपुर, रोहड़ू, बिलासपुर, बद्दी, हमीरपुर, नाहन, सुंदरनगर, कांगड़ा और नूरपुर में सहायक अभियंताओं के 9 पदों को सृजित कर भरने को मंजूरी प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नालागढ़ को 200 बिस्तरों वाले स्वास्थ्य संस्थान में स्तरोन्नत करने के साथ ही आवश्यक पदों के सृजन एवं भरने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में कसौली योजना क्षेत्र का पुनर्गठन कर कसौली योजना क्षेत्र से कुछ क्षेत्रों को बाहर करने और इन क्षेत्रों का नियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, जाबली में शामिल करने को भी मंजूरी प्रदान की गई।

मंत्रिमण्डल ने धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के तडन में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने को स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमण्डल ने पीएम आयुष्मान भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा, श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंडी, डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल चमियाना, शिमला, क्षेत्रीय अस्पताल ऊना, क्षेत्रीय अस्पताल सोलन, जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय चंबा और नागरिक अस्पताल मनाली में 50-50 बिस्तरों वाले 8 क्रिटिकल केयर ब्लॉक और जोनल अस्पताल धर्मशाला, जोनल अस्पताल मंडी और दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय अस्पताल शिमला में तीन जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं खोलने का निर्णय लिया।

राज्यपाल ने किया अंतर्राष्ट्रीय लोकनृत्य उत्सव कुल्लू दशहरा-2022 का शुभारंभ

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कुल्लू के प्रसिद्ध लाल चंद प्रार्थी कला केंद्र में दीप

प्रज्जवलन के साथ अंतर्राष्ट्रीय लोकनृत्य उत्सव कुल्लू दशहरा-2022 का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर लोगों को दशहरा उत्सव की बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि कुल्लू के अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव की देश-विदेश में अपनी एक अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को अदभुत सौंदर्य से नवाजा है और कुल्लू-मनाली की तो बात ही अलग है। उन्होंने कहा कि कुल्लू-मनाली अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की लोक संस्कृति बहुत ही समृद्ध है और यहां के लोगों ने आज भी अपनी इस संस्कृति को संजोकर रखा है। उन्होंने कहा कि भारत बहुत ही अदभुत विविधतापूर्ण संस्कृति वाला देश है और हिमाचल प्रदेश की लोक संस्कृति में भी इस विविधता की छाप देखने को मिलती है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के लिए वर्ष 2047 तक के काल को अमृतकाल की संज्ञा दी है। इस अवधि में भारत को वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक देशवासी को अपना हरसंभव योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव आयोजन समिति के उपाध्यक्ष एवं उपायुक्त आशुतोष गर्ग ने राज्यपाल का स्वागत किया तथा उत्सव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उदघाटन समारोह में विधायक सुरेंद्र शौरी, एचपीएमसी के उपाध्यक्ष राम सिंह, एग्रो इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष युवराज बौद्ध, पुलिस अधीक्षक गुरुदेव शर्मा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इससे पहले, राज्यपाल ने प्रदर्शनी मैदान में विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का उदघाटन एवं अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने दशहरा पर्व पर जाखू मंदिर में की पूजा-अर्चना

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने दशहरा पर्व के शुभ अवसर पर शिमला के सुप्रसिद्ध जाखू मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की

कामना की।

मुख्यमंत्री ने परंपरा के अनुसार रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों के दहन की रस्म अदा करके बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश भी दिया।

उन्होंने कहा कि पूरे देश सहित हिमाचल में भी दशहरा उत्सव हर्षोल्लास एवं श्रद्धा भाव से मनाया जाता है। अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में मनाया जाने वाला यह पर्व हमें मर्यादा में रहकर जन कल्याण की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए इस वर्ष का दशहरा उत्सव स्मरणीय है, जब अंतरराष्ट्रीय दशहरा महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विशेष रूप से कुल्लू पहुंचे। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हिमाचल की देव संस्कृति एवं परम्पराओं के प्रति अटूट आस्था एवं श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भगवान रघुनाथ की रथ यात्रा का साक्षी बन देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना भी की। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक पलों का गवाह बनकर प्रत्येक हिमाचलवासी गौरवान्वित महसूस कर रहा है क्योंकि यह पहला अवसर है जब किसी प्रधानमंत्री ने कुल्लू दशहरा में भाग लेकर देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया है।

इसके उपरांत जाखू मंदिर पहुंचने पर मंदिर न्यास की ओर से मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज, हिमफैड के अध्यक्ष गणेश दत्त शर्मा, मंदिर न्यास के न्यासी मदन शर्मा, मदन ठाकुर, रमेश जोशी, अन्य न्यासी, उपायुक्त आदित्य नेगी, पुलिस अधीक्षक मोनिका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मोदी सरकार ने 2167.72 करोड़ की लागत से हिमाचल में पांच बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं को दी मंजूरी:अनुराग ठाकुर

शिमला/शैल। केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा हिमाचल प्रदेश में लगभग 2167.72 करोड़ रुपये की लागत से पांच बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं को मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत का हार्दिक आभार प्रकट किया है।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं बहुउद्देशीय परियोजना सलाहकार समिति की 150वीं बैठक के बाद सुकेती खड्ड, स्वां नदी एवं सीर खड्ड में बाढ़ संरक्षण परियोजनाओं सहित फिना सिंह बहुउद्देशीय परियोजना तथा अन्य विभिन्न खड्डों के लिए बाढ़ संरक्षण परियोजना को मंजूरी दी गई है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश को सदैव अपना दूसरा घर माना है और हिमाचल की आवश्यकतानुसार हर ज़रूरी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पहाड़ी प्रदेश हिमाचल में दैवीय आपदा के चलते हर बरसातों में बाढ़ आम बात है जिसके चलते हर साल काफ़ी जान-माल का नुक़सान होता है।

इसको दृष्टिगत रखते हुए मैंने विगत दिनों केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत से मिलकर उनके समक्ष इस विषय को प्रमुखता से उठाते हुए हिमाचल में बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं की माँग प्रमुखता से रखी थी। अपार हर्ष का विषय है कि जल शक्ति मंत्री ने मेरी माँग को अपनी स्वीकृति देते हुए 2167.72 करोड़ की लागत से हिमाचल में पांच बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है। मैं इस मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत जी का आभार प्रकट करता हूँ।

आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की एक सलाहकार समिति ने आज हिमाचल प्रदेश में पांच महत्वपूर्ण बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं बहुउद्देशीय परियोजना सलाहकार समिति की 150वीं बैठक के बाद सुकेती खड्ड, स्वां नदी एवं सीर खड्ड में बाढ़ संरक्षण परियोजनाओं सहित फिना सिंह बहुउद्देशीय परियोजना तथा अन्य विभिन्न खड्डों के लिए बाढ़ संरक्षण परियोजना को मंजूरी दी गई।

अनुराग ठाकुर ने कहा जल शक्ति मंत्रालय द्वारा हिमाचल में पाँच में से तीन बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएँ मेरे अपने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में मंजूर की गई हैं। फिना सिंह बहुउद्देशीय परियोजना 643.68 करोड़ रुपये की लागत से 1. 88 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगी। मण्डी जिले में ब्यास जलग्रहण क्षेत्र के अंतर्गत सुकेती खड्ड नदी के साथ-साथ उसकी सहायक नदियों पर बाढ़ सुरक्षा उपाय और नहर निर्माण परियोजना शुरू की जानी है। इस परियोजना से 41 हजार से अधिक लोगों को लाभ होगा और 881 हेक्टेयर क्षेत्र संरक्षित होगा। इस परियोजना पर कुल 485.23 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसी प्रकार, ऊना जिले की अम्ब तहसील में स्वां नदी और उसकी सहायक नदियों के लिए बाढ़ सुरक्षा उपाय प्रदान करने की परियोजना शुरू की जाएगी। इस परियोजना से 14 हजार से अधिक लोगों को लाभ होगा और 510 हेक्टेयर क्षेत्र संरक्षित होगा। परियोजनाओं पर 339.25 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। तीसरी परियोजना बाढ़ सुरक्षा और विभिन्न खड्डों के लिए कटाव रोकने के उपाय हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में किए जाएंगे तथा इससे 23 हजार से अधिक लोगों को लाभ होगा और 811 हेक्टेयर क्षेत्र संरक्षित होगा। इस परियोजना पर 504.07 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

अंत में, सीर खड्ड पर बाढ़ सुरक्षा कार्यों पर 195.49 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है और इसे बिलासपुर जिले के घुमारवीं तहसील के तलवारा गांव से बालघाट तक किया जाएगा। इस परियोजना से 14 हजार से अधिक लोगों को लाभ होगा और 179 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र संरक्षित होगा।

अनुराग ठाकुर ने कहा 'यह परियोजनाएँ राज्य में नदी की बाढ़ से जान-माल की क्षति को कम करने में एक लंबा सफर तय करेगी। मोदी सरकार हिमाचल प्रदेश के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और यह उस दिशा में उठाए गए कई कदमों में से एक है। पूर्व में जनमानस की माँग और क्षेत्र के विकास को देखते हुए साल 2000 में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने केंद्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से स्वां नदी के तटीयकरण के लिए के लिए 106 करोड़ रुपए आवंटित करा कर इस परियोजना की शुरूआत करी, जिसके अंतर्गत मुख्यत:स्वां नदी के साथ 77 सहायक नदियों के तटीयकरण करना इस परियोजना का उद्देश्य था, जिसमें केंद्र और राज्य की क्रमश: 90% और 10% खर्च की हिस्सेदारी थी। स्वां तटीयकरण से अब तक करीब 12000 हेक्टेयर भूमि ज़िला ऊना में कृषि योग्य बनाई गई है, जिससे किसानों को राहत मिली है। अब यह मौजूदा माँग राज्य में नदी की बाढ़ से जान-माल की क्षति को कम करने में एक लंबा सफर तय करेगी।

प्रदेश में एम्स की स्थापना से वीरभद्र सिंह का सपना हुआ साकार:प्रतिभा सिंह

शिमला/शैल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने बिलासपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के शुभारंभ पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि 2017 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस संस्थान को भूमि व अधोसंरचना उपलब्ध करवा कर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया था। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह का एक सपना था कि प्रदेश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना हो, वह आज साकार हुआ है, इसके लिए प्रदेश बधाई के पात्र है।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि प्रदेश में होइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज की सोच भी वीरभद्र सिंह की थी। उन्होंने इसके निर्माण के लिये समय समय पर बहुत प्रयास किये। उन्होंने कहा कि आज इस कॉलेज के खुलने से भी प्रदेश में युवाओं को हाइड्रो इंजीनियरिंग करने में लाभ होगा।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सम्बोधन में अपने पुराने संस्मरणों को तो याद तो किये पर प्रदेश के लोगों से किये पूर्व में अपने वादों पर कुछ नही बोले, जो प्रदेश के साथ एक बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि इस बार भी प्रधानमंत्री ने प्रदेश के लिये ऐसी कोई सौगात नही दी, जिससे प्रदेश में बिगड़ती अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने को मदद मिलती। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार व प्रदेश में वीरभद्र सिंह सरकार ने आईआई टी मंडी, प्रदेश में आईआईआईटी हमीरपुर आईआईएम नाहन सहित पांच मेडिकल कॉलेज चम्बा, हमीरपुर, मंडी व नाहन कांग्रेस की देन रहें है,न कि भाजपा के।

प्रतिभा सिंह ने भाजपा नेताओं ने अपनो सम्बोधन में सत्ता की रिवाज बदनले की बात पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश में लोगों ने सरकार बदलने का पूरा मन बना लिया है। बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी पर भाजपा नेताओं का एक शब्द भी न बोलने से साफ है कि भाजपा को इस जटिल समस्या से कोई लेना देना नही, उन्हें इसकी कोई चिंता नही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर प्रदेश के लोगों को मायूस किया है।

प्रियंका गांधी 14 अक्तूबर को सोलन के ठोड़ो मैदान में जनसभा को सम्बोधित करेगी

शिमला/शैल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी 14 अक्तूबर को सोलन के ठौड़ो मैदान में एक बड़ी जनसभा को सम्बोधित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी के सदस्य, विधायक, पूर्व विधायक, जिला व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व इसके सभी पदाधिकारियों, अग्रणी सगंठनों के प्रमुख व उनके पदाधिकारियों को इस जनसभा मे उपस्थित होने को कहा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस सोलन से प्रदेश विधानसभा चुनावों का शखानंद करेगी उसके बाद प्रदेशभर में कांग्रेस विधिवत तौर पर अपना चुनाव अभियान शुरू कर देगी।

प्रदेश कांग्रेस सगंठन महामंत्री रजनीश किमटा ने इस संदर्भ में एक सर्कुलर जारी करते हुए पार्टी के सभी पदाधिकारियों सहित सभी नेताओं विधायको, पूर्व विधायको, जिला प्रमुखों, ब्लॉक प्रमुखों के अपने अपने जिला व ब्लॉक कार्यकारणी के सदस्यों सहित अग्रणी सगंठनों के प्रमुखों, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, इंटक के सभी सदस्यों व कार्यकारणी के सदस्यों, विभागों के सभी पदाधिकारियों को प्रियंका गांधी की इस जनसभा में अपने सभी कार्यकर्ताओं सहित उपस्थित होने को कहा है।

किमटा ने प्रियंका गांधी की जनसभा के प्रबंधों की समीक्षा करते हुए कहा कि कांग्रेस की यह जनसभा प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का आहवान किया है कि वह अधिक से अधिक इस जनसभा में शामिल होकर पार्टी की एकता को मजबूत करें।

कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के लिए प्राकृतिक कृषि पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिमला/शैल। विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती पर वैज्ञानिक मॉडल के विकास के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के ज़ोन 1 के वैज्ञानिकों का तीन दिवसीय अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ यशवंत सिंह परमार औदयानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के विस्तार शिक्षा निदेशालय में शुरू हुआ। यह कार्यक्रम हिमाचल मॉडल ने देश को दिखाया है कि प्राकृतिक खेती एक वैकल्पिक उत्पादन तकनीक हो सकती है जो इनपुट लागत को कम करने, पर्यावरण के संरक्षण और कृषि आय में वृद्धि करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि केवीके के हस्तक्षेप से प्राकृतिक खेती हर किसान के खेत तक फैल सकती है। जोन 1 के लिए

'अंडरस्टैंडिंग नेचुरल फार्मिंग फॉर इट्सफ्लॉलेस स्ट्रैटेजीज टू आउट स्केल टू केवीके (जोन- ।)' का आयोजन आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (ATARI), लुधियाना के सहयोग से किया जा रहा है।

इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. इंदर देव ने कहा कि प्राकृतिक खेती के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश राणा ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को नवीनतम कृषि ज्ञान प्रसारित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने प्राकृतिक खेती में हिमाचल प्रदेश के प्रयासों की सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ देश भर के वैज्ञानिकों और किसानों के साथ अपने ज्ञान को साझा कर रहे हैं और इस कृषि प्रणाली के बारे में जागरूकता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। डॉ. राणा ने कहा कि निकट भविष्य में जोन 1 से 4-5 मॉडल एक्शन प्लान विकसित करने का लक्ष्य है। प्रथम सत्र में नौणी विवि में प्राकृतिक कृषि कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुभाष वर्मा ने प्राकृतिक खेती के इतिहास और विरासत के बारे में बताया जबकि डॉ. कुलदीप ठाकुर ने इस प्रणाली के तहत फसल जियोमेट्री के महत्व के बारे में बात की। डॉ. उपेंद्र सिंह ने प्राकृतिक कृषि के विभिन्न आदानों और उनके उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाई जबकि डॉ. उषा शर्मा ने इस प्रणाली में फल फसलों के एकीकरण पर एक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनिल सूद ने बताया कि जोन-1 जिसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के केवीके शामिल है, के 82 वैज्ञानिक इस कार्यक्रम में भाग ले रहें हैं। तीन दिनों के दौरान, विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्राकृतिक खेती की बुनियादी बातों से अवगत करवाया जाएगा। प्रतिभागियों को इस तकनीक के परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए किसानों के खेतों का दौरा भी करवाया जाएगा।

चुनाव आयोग से आग्रह चुनाव तिथि घोषित कर तुरंत आचार संहिता लागू करें:प्रतिभा सिंह

शिमला/शैल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि वह प्रदेश में चुनाव की तिथि घोषित कर आदर्श आचार संहिता को तुरंत लागू करें। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल का दो माह से कम का समय रह गया है इसके चलते भाजपा अपने राजनैतिक लाभ के लिये सरकारी मशीनरी के साथ सत्ता का खुलकर दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने प्रदेश में सरकारी खर्च पर भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों, नेताओं के आने और उनकी आवभगत पर हो रहें सरकार के करोड़ो के खर्च पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग को इसका संज्ञान लेते हुए सरकारी धन व मशनिरी के दुरुपयोग पर तुरंत रोक लगानी चाहिए।

प्रतिभा सिंह ने इस संदर्भ में चुनाव आयोग का इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा है कि सत्ता के दुरुपयोग के साथ साथ प्रदेश में भाजपा आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन के नाम पर अपने पार्टी के झडे तले कर रहें चुनाव प्रचार पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने इस आयोजन पर भी रोक लगाने की मांग चुनाव आयोग से की है। उन्होंने चुनाव आयोग से प्रदेश में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन को सुनिश्चित करने को कहा है।

प्रतिभा सिंह ने चुनाव आयोग से ईवीएम पर भी कड़ी नजर रखने के साथ साथ उसकी सुरक्षा को पुख्ता करने को कहा है जिससे उसमे कोई सेंधमारी न कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बर्फीले क्षेत्रों में संभावित बर्फबारी से पहले प्रदेश में एक साथ चुनाव करवाये जाने चाहिए।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177-2805015, 94180-15015 फैक्स: 2805015

क्या पत्र बम्बों की आंच से बचने के लिए कांग्रेस में तोड़फोड़ की रणनीति अपनायी गयी है

- मुख्यमंत्री द्वारा राहुल को पप्पू प्रचारित करने से उठी चर्चा
- क्या मोदी के ड्रोन ज्ञान पर चर्चा का माहौल तैयार कर रहे हैं मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। सत्ता में वापसी का दावा करना और उस दावे पर जन विश्वसनीयता बनाने के लिए अपनी कथित उपलब्धियों का करोड़ों के विज्ञापन जारी करके जनता में बखान करने का सरकार और सत्तारूढ़ दल को पूरा-पूरा अधिकार है। क्योंकि उन दावों की जमीनी सच्चाई प्रचार के लिये जारी हुए विज्ञापनों में नहीं बल्कि जनता के सामने यथास्थिति खड़ी होती है। आज चुनाव की पूर्व संध्या पर जिस सरकार के विशेषज्ञ डाक्टर अपनी मांगों के लिये हड़ताल पर जाने को

विवश हो जायें जहां राजधानी के साथ सटे स्कूल में ही कोई भी अध्यापक न होने का आरोप लगे जहां लंपी रोग से त्रस्त जनता के सामने पशु औषधालय में एक-एक डॉक्टर के हवाले चार-चार अस्पताल हों जहां अस्पताल को जमीन देने के लिये गौशाला से गाय औणे पौणे दामों में अपने को बेचने के आरोप लगने लग जायें तो ऐसी सच्चाई को विज्ञापनों के आवरण में ढकने के सारे प्रयास बहुत बौने पड़ जाते हैं। ऐसी कड़वी सच्चाई के सामने पर जब कोई मुख्यमंत्री विपक्ष के लिये ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने पर आ जाये कि **''कांग्रेस तो तब आयेगी जब हम उसे आने लायक रखेंगे''** तब न चाहते हुए भी यह सोचना पड़ जाता है कि यह भाषा किसी अहंकार के कारण है या सच्चाई के बेनकाब हो जाने की हताशा से उपजी पीड़ा का प्रमाण है। क्योंकि मुख्यमंत्री ने इस भाषा का प्रयोग प्रधानमंत्री की बिलासपुर रैली के बाद करना शुरू किया है। बिलासपुर में जब शीर्ष भाजपा नेतृत्व ने प्रदेश में हुए सारे विकास का श्रेय एक स्वर में नरेन्द्र मोदी के नाम कर दिया और प्रधानमंत्री ने आगे वह श्रेय जनता के नाम कर दिया तब ऐसी भक्ति से अभिभूत हुए प्रधानमंत्री ने जनता से अपना ड्रोन ज्ञान सांझा करते हुए यहां तक सपना दिखा दिया कि किन्नौर का आलू भी इससे बड़ी मंडियों में पहुंचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री के इस ज्ञान पर विवश विपक्ष ने कोई बड़ी प्रतिक्रियाएं नहीं दी। क्योंकि इस तरह के ज्ञान के कई उदाहरण देश के सामने आ चुके हैं। परन्तु इस ज्ञान के बोझ से मुख्यमंत्री इतने दब गये हैं कि उन्हें लगा कि कहीं जनता सच में ही ड्रोन की मांग न करने लग जाये। इस मांग से जनता में कोई मुद्दा न खड़ा हो जाये इसलिये मुख्यमंत्री ने इस संभावित चर्चा का रुख कांग्रेस की ओर मोडते हुये तंज कस दिया कि कांग्रेस में उथल-पुथल पप्पू के कारण है और इसे प्रमाणित करने के लिए राहुल गांधी के नाम लगे आटा लिटरों में तोलने के बयान का हवाला भी दे दिया। राहुल गांधी को पप्पू प्रचारित करने में भाजपा ने आईटी सेल के माध्यम से मीडिया में लाखों रुपया निवेशित किया है। यह कोबरापोस्ट के स्टिंग ऑपरेशन में सामने आ चुका है। आटा लिटरों में तोलने का बयान कैसे कांट-छांट करके तैयार किया गया था यह भी सामने आ चुका है। बल्कि इस बयान के बाद जब ''बेटी बचाओ-बेटी पटाओ'' का ब्यान पलटवार के रूप में सामने आया तब यह सारा प्रचार स्वत: ही बन्द हो गया। इस तरह से ब्यानों को तोड़मरोड़ कर पेश करने की संस्कृति आई टी सैल के कार्यकर्ताओं तक

तो कुछ देर के लिए चल जाती है और उसे कोई ज्यादा अहमियत भी नहीं दी जाती है। लेकिन जब ऐसे बयानों का सहारा मुख्यमंत्री को अपने विरोधियों पर हमला करने के लिये लेना पड़ जाये तब सारे संदर्भ और अर्थ बदल जाते हैं। विश्लेषकों के लिये भी यह आकलन का मुद्दा बन जाता है। क्योंकि आज जयराम सरकार अपनों के ही पत्र बम्बों से इतनी घिरी हुई है कि इनमें लगाये गये आरोपों की जांच कर इन्हें स्थाई रूप से विराम देने की बजाय सरकार के सलाहकारों ने इन पत्रों के लेखकों की तलाश की ओर रुख कर लिया। इसका परिणाम यह हुआ कि न तो इन पत्रों के लेखकों को सरकार आज तक चिन्हित कर पायी और न ही इनमें लगे आरोपों से मुक्त हो पायी। जबकि सरकार की समझ के परिणाम स्वरुप यह पत्र अधिकारिक रूप से रिकॉर्ड पर आ चुके हैं। कुछ पत्रों पर तो मुख्यमंत्री के बयान की बाध्यता तक बन जाती है। इस वस्तु स्थिति में यह पत्र बम यदि अब चुनाव में एक मुद्दा बनकर सामने आ जाते हैं तो किसी को भी हैरत नहीं होगी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वभाविक है कि क्या सरकार इन पत्र बम्बों की आंच से कांग्रेस को तोड़फोड़ का डर दिखाकर या राहुल गांधी को पप्पू प्रचारित कर बच पायेगी।

क्या प्रदेश का फार्मा उद्योग राजनीतिक .....पृष्ठ 1 का शेष

मरवाह के जवाब के आधार पर ही इन आरोपों को खारिज करना सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल उठाता है। क्योंकि जैन ने कंपनियों के नाम उजागर करते हुये मरवाह की मिली भगत के आरोप लगाये हैं।

यह है ड्रग कंट्रोलर जरनल का पत्र

File No. ED/Misc.-178/2022
Government of India
Ministry of Health & Family Welfare
Directorate General of Health Services
Central Drugs Standard Control Organization
(Enforcement Division)

FDA Bhawan, Kotla Road
New Delhi-110002
E-mail: dci@nic.in
Dated: - 01/09/2022

To,

The Health Secretary,
Himachal Pradesh Secretariat,
Shimla Himachal Pradesh

Subject: Grievance/complaint against Drugs Controller of Himachal Pradesh- regarding

Sir,

This is with reference to letter no. C./13015/1/2011-PG dated 18-08-2022 from Section Officer (W&PG), Ministry of Health and Family Welfare forwarding the Office memorandum No. F. No. 24013/3/2022-CSR.III dated 11-08-2022 received in this office, enclosing the complaint letter of Sh. M. C. Jain, on the subject matter.

As the matter pertains to your jurisdiction, copy of aforesaid letters along with the complaint is forwarded for further necessary action.

Yours faithfully

(Dr. V. G. Somani)
Drugs Controller General (India)

Encls: As above
Copy to:
1. The Section Officer (W&PG), Department of Health and Family Welfare Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi-110011.
2. Sh. M.C. Jain Socialist 393, Sector-8, Ambala City-134003

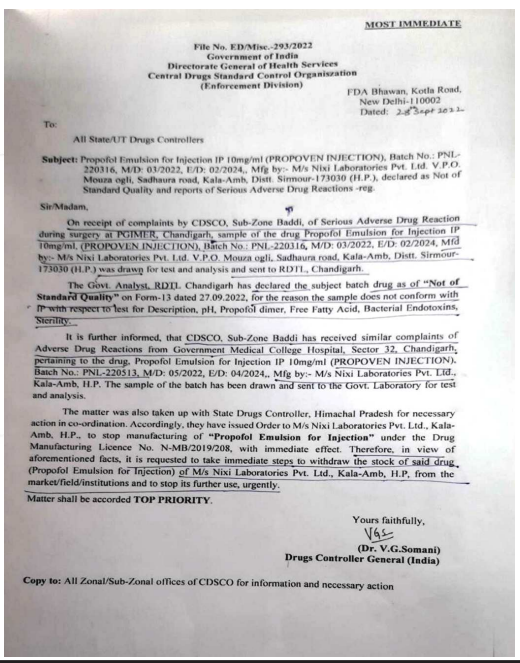

MOST IMMEDIATE

File No. ED/Misc.-293/2022
Government of India
Directorate General of Health Services
Central Drugs Standard Control Organization
(Enforcement Division)

FDA Bhawan, Kotla Road,
New Delhi-110002
Dated: 28 Sept 2022

To:
All State/UT Drugs Controllers

Subject: Propofol Emulsion for Injection IP 10mg/ml (PROPOVEN INJECTION), Batch No.: PNL-220316, M/D: 03/2022, E/D: 02/2024,, Mfg by:- M/s Nixi Laboratories Pvt. Ltd. V.P.O. Mouza ogli, Sadhaura road, Kala-Amb, Distt. Sirmour-173030 (H.P.), declared as Not of Standard Quality and reports of Serious Adverse Drug Reactions -reg.

Sir/Madam,

On receipt of complaints by CDSCO, Sub-Zone Baddi, of Serious Adverse Drug Reaction during surgery at PGIMER, Chandigarh, sample of the drug Propofol Emulsion for Injection IP 10mg/ml, (PROPOVEN INJECTION), Batch No.: PNL-220316, M/D: 03/2022, E/D: 02/2024, Mfd by:- M/s Nixi Laboratories Pvt. Ltd. V.P.O. Mouza ogli, Sadhaura road, Kala-Amb, Distt. Sirmour-173030 (H.P.) was drawn for test and analysis and sent to RDTL, Chandigarh.

The Govt. Analyst, RDTL Chandigarh has declared the subject batch drug as of **"Not of Standard Quality"** on Form-13 dated 27.09.2022, for the reason the sample does not conform with to with respect to test for Description, pH, Propofol dimer, Free Fatty Acid, Bacterial Endotoxins, Sterility.

It is further informed, that CDSCO, Sub-Zone Baddi has received similar complaints of Adverse Drug Reactions from Government Medical College Hospital, Sector 32, Chandigarh, pertaining to the drug, Propofol Emulsion for Injection IP 10mg/ml (PROPOVEN INJECTION), Batch No.: PNL-220513, M/D: 05/2022, E/D: 04/2024,, Mfg by:- M/s Nixi Laboratories Pvt. Ltd., Kala-Amb, H.P. The sample of the batch has been drawn and sent to the Govt. Laboratory for test and analysis.

The matter was also taken up with State Drugs Controller, Himachal Pradesh for necessary action in co-ordination. Accordingly, they have issued Order to M/s Nixi Laboratories Pvt. Ltd., Kala-Amb, H.P., to stop manufacturing of **"Propofol Emulsion for Injection"** under the Drug Manufacturing Licence No. N-MB/2019/208, with immediate effect. Therefore, in view of aforementioned facts, it is requested to take immediate steps to withdraw the stock of said drug (Propofol Emulsion for Injection) of M/s Nixi Laboratories Pvt. Ltd., Kala-Amb, H.P. from the market/field/institutions and to stop its further use, urgently.

Matter shall be accorded **TOP PRIORITY**.

Yours faithfully,
(Dr. V.G.Somani)
Drugs Controller General (India)

Copy to: All Zonal/Sub-Zonal offices of CDSCO for information and necessary action

कांग्रेस में मुख्यमंत्री का .....पृष्ठ 1 का शेष

तरह आतंकित कर दिया है। सरकार इससे ध्यान हटाने के लिए जांच एजैन्सियों का खुला राजनीतिक उपयोग करने पर आ गयी है। आर्थिक स्थिति पर संघ प्रमुख मोहन भागवत तक चिन्ता व्यक्त कर चुके हैं। यह व्यवहारिक स्थिति कांग्रेस की ताकत बन गयी है और इसी का एहसास शायद प्रदेश कांग्रेस के नेताओं को नहीं है। जबकि चारों उपचुनाव हारने के बाद से लेकर आज तक सरकार के पक्ष में कर्ज बढ़ने के अतिरिक्त कुछ नहीं घटा है। इस व्यवहारिक स्थिति के बावजूद प्रदेश कांग्रेस के नेताओं में बढ़ती खींचतान इसका संकेत मानी जा रही है कि आज यह नेता अपने को येन केन प्रकरेण मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करवाने की कवायद में लग गये हैं। यह सही है कि स्व. वीरभद्र सिंह के बाद नेतृत्व के नाम पर कांग्रेस शून्य की स्थिति से गुजर रही है। स्व. वीरभद्र सिंह के निधन से उपजी सहानुभूति को भुनाने के लिए प्रतिभा सिंह को पार्टी अध्यक्ष बनाया जाना समय की मांग था। लेकिन इस समय भी नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना घातक होगा। क्योंकि जो भी घोषित होगा उसे पूरे प्रदेश में प्रचार के लिये निकलना पड़ेगा और पीछे से वह धूमल की तरह अपनों के ही षड़यंत्र का शिकार हो जायेगा। ऐसे में यदि मुख्यमंत्री के लिये दावेदारी जताने वालों को अपने-अपने जिले की सारी सीटें जिताने की जिम्मेदारी डाल दी जाये तो इससे पार्टी और नेता दोनों को ही लाभ मिलेगा।